Title: Need to ensure early functioning of the unit of the Indian Fertilizers Corporation Ltd., Gorakpur, Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : सभापति महोदय, उर्वरक निगम लि. के गोरखपुर यूनिट की स्थापना सन् १९६९ में हुई थी। यह उर्वरक कारखाना पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए वरदान था, परन्तु १० जून, १९९० को एक साधारण दुर्घटना के चलते उक्त कारखाना बन्द कर दिया गया। औद्योगिक दृष्टि से पहले से ही पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में लगे इस कारखाने के बन्द हो जाने के कारण यहां के कर्मचारियों के साथ-साथ किसानों में भी भारी निराशा व्याप्त है। सरकार ने व्यापक जनहित में उक्त बन्द पड़े कारखाने को कृषक भारती कोआपरेटिव लि. द्वारा पुनः चलवाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

सभापति जी, कृभको द्वारा उक्त बन्द पड़े उर्वरक संयंज्ञ में उपलब्ध आधार संरचना तथा अन्य सुविधाओं का उपयोग करके नया संयंत्र लगाने का हम स्वागत करते हैं। उस ऐतिहासिक निर्णय को शीघ्र कार्यान्वित कराए जाने की मांग करते हुए मैं सरकार का ध्यान निम्न बिन्दुओं की ओर आकर्षित करना चाहता हूं ;-

१. उर्वरक संयंत्र में कार्यरत कर्मियों का वेतन पुनरीक्षण संयंत्र के बन्द होने के बाद से नहीं हुआ है। अतः अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों की तरह कार्यरत सभी कर्मियों को नया वेतनमान दिया जाए।

२. उर्वरक संयंत्र में पहले से कार्यरत कर्मियों का समायोजन कृभको द्वारा किया जाए।